Printed Pages – 2

B. A. (Third Year) Annual Open Book Examination, 2021

HINDI LITERATURE

नोट : *प्रत्येक खण्ड को पृथक्-पृथक् उत्तर-पुस्तिका में लिखना अनिवार्य है।*

AS-384

खण्ड-'अ' प्रश्न-पत्र : प्रथम

प्रयोजनमूलक हिन्दी

Maximum Marks : 40 (Regular) / 50 (Private)

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर अधिकतम 800 शब्दों में दें।*

1. पल्लवन किसे कहा जाता है?

2. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में क्या-क्या उपकरण आते हैं?

3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप बताइए।

4. आदेश व परिपत्र में क्या अन्तर है?

5. पत्रकारिता के विविध क्षेत्र कौन-कौन से हैं?

AS-385

खण्ड-'ब' प्रश्न-पत्र : द्वितीय

हिन्दी नाटक, निबन्ध तथा स्फुट गद्य विधाएँ एवं मालवी भाषा साहित्य

Maximum Marks : 40 (Regular) / 50 (Private)

नोट : *सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर अधिकतम 800 शब्दों में दें।*

1. निम्नलिखित अवतरण की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए—

भाग्य! भाग्य तो सबके होता है धाय माँ! ये नूपुर मेरे पैरों में पड़े हैं तो इनका भी भाग्य है। मेरे पैरों की गति में गीत गाते हैं, तो वह भी इनका भाग्य है। मेरे आगमन का सन्देश पहले ही पहुँचा देते हैं, तो वह भी इनका भाग्य है और जब मेरे पैर रुक जाते हैं तो यह मौन हो जाते हैं। वह भी इनका भाग्य है। भाग्य तो सबके होता है, धाय माँ! तुम नगर के उत्सव में भाग नहीं ले रही हो, न लो। महराज बनवीर का साथ नहीं दे रही हो, न दो! मैं कौन होती हूँ बीच में बोलने वाली।

2. निम्नलिखित अवतरण की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए—

ढमक-ढमक वाजे रे ढोल
मीठा-मीठा लागे रे बोल
खोल पिया नैण खोल
उषा बरेखे गुलाल रे
कमलाँ का नाथ आया

भर भर ने बाँध लाया
किरणाँ का कामणगारा जाल रे
रसीला नैण खोल
वाजे रे ढोल

3. निम्नलिखित अवतरण की सन्दर्भ, प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए—

पी ने आया समदर को पाणी खारो खारो
जाणा कठई ती ई रंग लाया कारो
ऊगमणे आतमणे लंकऊ धरउ ती
आया ने आ ताई ने करद्यो अंधारो
भूखा आठ महिना का टूट्या जो टटकी ने
बरबरता सूरज ने चौड़े धाले खईग्या
ई बादरवा आईग्या

4. यात्रा साहित्य पर प्रकाश डालिए।

5. हिन्दी निबन्ध के विकास क्रम पर प्रकाश डालिए।